आईआईटी कानपुर भी ओडीओपी उत्पादों की बेहतरी पर करेगा काम

आईआईटी, शोध संस्थान भी ओडीओपी से जुड़ें

संस्थाओं को निमंत्रण

- इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट करेगा रिसर्च
- वाराणसी सिल्क व भदोही का कालीन उद्योग भी जुड़ेगा

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) से अब प्रदेश में स्थित आईआईटी, तकनीकी और शोध संस्थान भी जुड़ रहे हैं। बुधवार को हुई बैठक में कई संस्थाओं ने कई ओडीओपी उत्पादों को सस्ता और बेहतर करने पर सरकार की मदद के लिए शोध, ब्रांडिंग और मार्केटिंग में सहयोग का प्रस्ताव दिया।

प्रमुख सचिव सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम डॉ. नवनीत सहगल ने कहा कि एक जिला-एक उत्पाद के संबंध में स्टेट एकेडमी इंस्टीट्यूशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। प्रमुख सचिव ने तकनीकी और शोध संस्थाओं को खुला निमंत्रण दिया कि ओडीओपी उत्पादों की मार्केटिंग, उत्पादन आदि क्षेत्रों में शोध करें। सरकार इसके लिए वित्तीय सहायता मुहैया कराएगी। उन्होंने कहा कि ओडीओपी को लोकप्रिय बनाने तथा उत्पादन इकाइयों को सस्ती और बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने में तकनीकी शिक्षण संस्थाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। संस्थाओं को प्रशिक्षित मानव संसाधन तथा कुशल तकनीकी विशेषज्ञ तैयार करने के लिए अपने पाठ्यक्रमों में बदलाव तथा शैक्षिक गतिविधियों में ओडीओपी को शामिल करना चाहिए।

उत्पादन, मार्केटिंग और ब्रांडिंग में सहयोग करेंगे: नवनीत सहगल ने कहा कि शिक्षण संस्थाएं अपने विद्यार्थियों को ओडीओपी के मामले में इंटर्नशिप से जोड़ सकती हैं। उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ ही मार्केटिंग तथा ब्रांडिंग में सहयोग प्रदान कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इच्छुक संस्थाएं ओडीओपी के क्षेत्र में सेंटर आफ एक्सीलेंस भी सृजित कर सकती हैं।

इन संस्थाओं ने ओडीओपी से जुड़ने का दिया आफर

इस बैठक में आईआईटी बीएचयू के प्रतिनिधि ने वाराणसी सिल्क तथा भदोही के कारपेट की ब्रांडिंग करने की बात कही। इस क्षेत्र में आईआईटी बीएचयू शोध भी करेगा। इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईआरआरआई) के प्रतिनिधि ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कृषि क्षेत्र से जुड़े ओडीओपी उत्पादों के उत्पादन और ब्रांडिंग में सहयोग की बात कही। खासकर सिद्धार्थनगर के ओडीओपी उत्पाद कालानमक चावल को बढ़ावा देने की बात कही। निफ्ट रायबरेली, आईआईटी कानपुर, मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी प्रयागराज तथा इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट नोएडा के प्रतिनिधियों ने ओडीओपी उत्पादों के उत्पादन, ब्रांडिंग और शोध की बात कही। प्रमुख सचिव सहगल ने बताया कि इन संस्थाओं के साथ प्रदेश सरकार करार करेगी।

Hindustan | P-8 | 07.11.2019